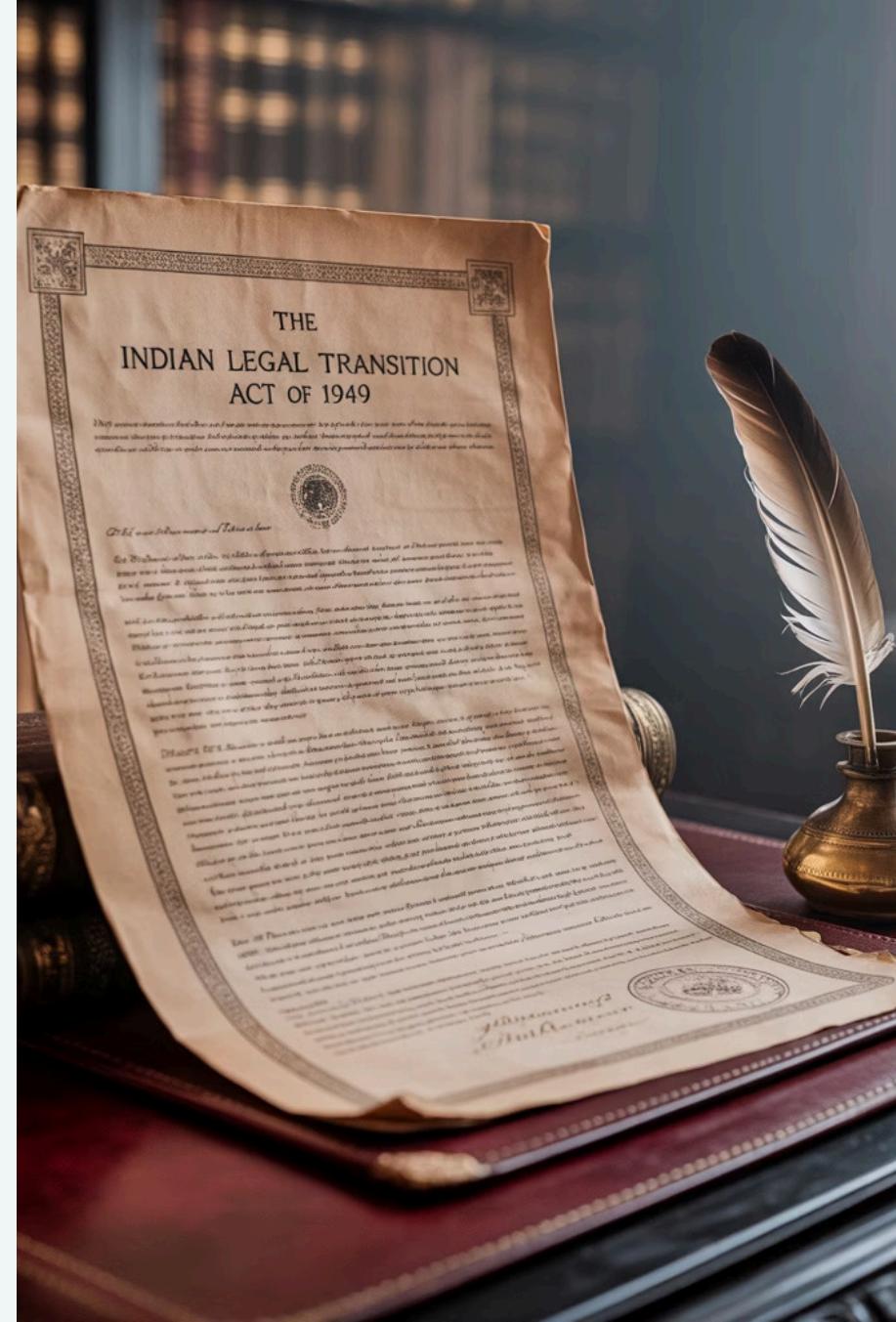


एक साल बाद: औपनिवेशिक काल के कानूनों से नए आपराधिक संहिताओं तक

यह एक साल हो गया है जब वह तीन आपराधिक कानून प्रभावी हो गए जिन्होंने ब्रिटिश युग के कानूनों को प्रतिस्थापित किया था। केंद्र सरकार ने भारतीय दंड संहिता को भारतीय न्याय संहिता (BNS) से, आपराधिक प्रक्रिया संहिता को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) से, और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) से प्रतिस्थापित किया।

 by OJAANK IAS



डिजिटल संक्रमण और कायन्वयन

पुलिसकर्मी धीरे-धीरे नए प्रावधानों के अनुकूल हो रहे हैं। अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और प्रणाली (CCTNS) ने पुलिस स्टेशन स्तर पर पिछले कानूनों से नए कानूनों में सुचाल संक्रमण में सहायता की है। थून्य पर दर्ज एफआईआर को CCTNS के माध्यम से पुलिस स्टेशनों तक ढट किया जा रहा है, हालांकि केवल राज्य के भीतर।

गृह मंत्रालय (MHA) को इस मील के पत्थर के लिए श्रेय दिया जाता है। अंतर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली (ICJS) पुलिस को अन्य स्तंभों जैसे वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं, अभियोजन, जेलों और अदालतों से जोड़ती है।

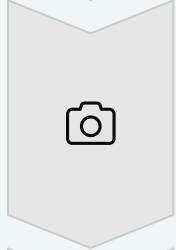


e-Sakshya: सबूत संग्रह में क्रांतिकारी परिवर्तन



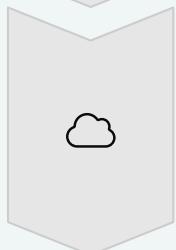
मोबाइल एप्लिकेशन

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा गृह मंत्रालय के परामर्श से
वास्तविक समय में सबूत एकत्र और संरक्षित करने के लिए विकसित



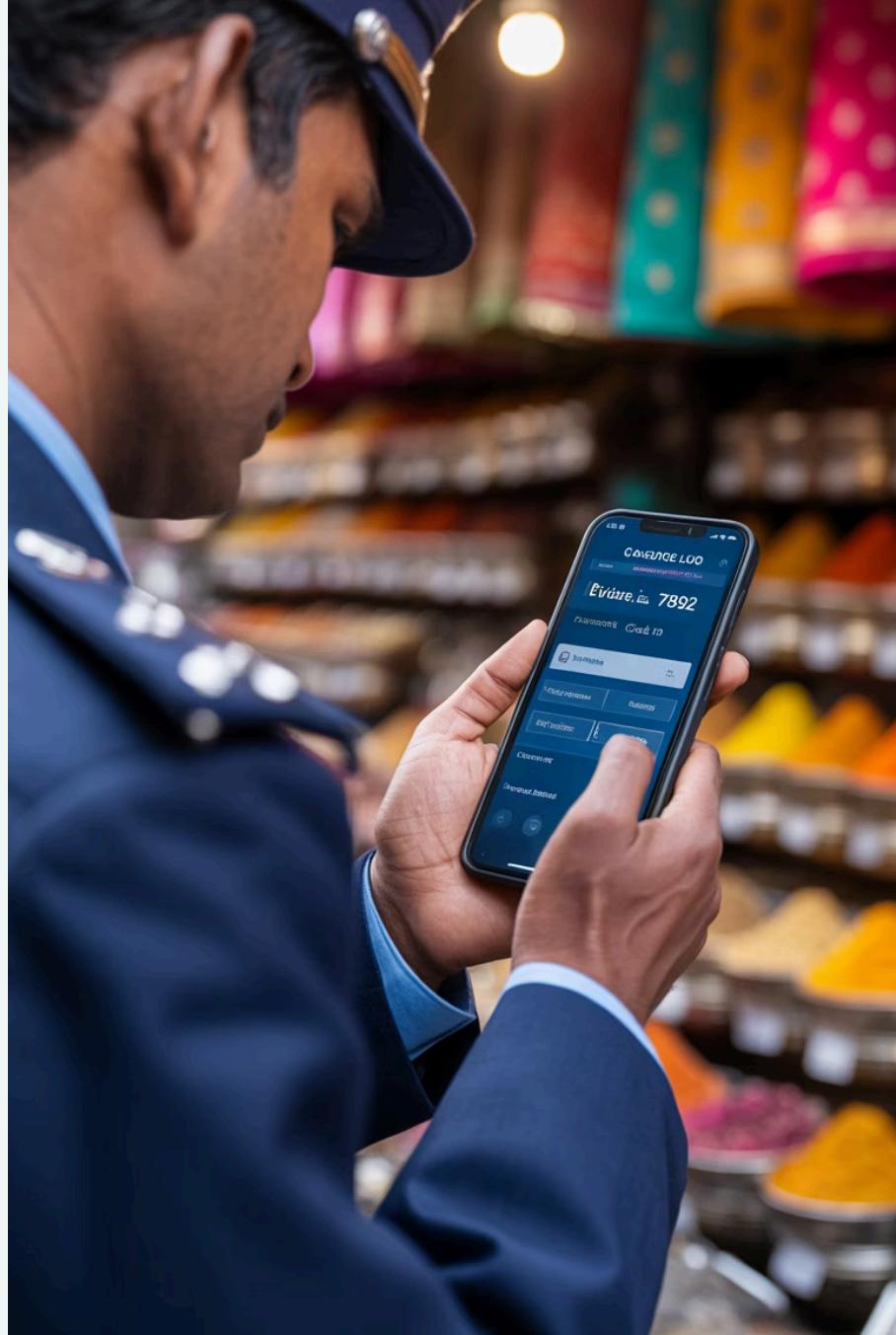
डिजिटल सबूत

जियो-निर्देशांक और समय-मुद्रा के साथ तस्वीरें और वीडियो कैप्चर करता
है, पारदर्शिता को बढ़ाता है



सुरक्षित भंडारण

'सक्ष्य लॉकर' के माध्यम से राष्ट्रीय सरकारी क्लाउड में सबूत संग्रहीत किए
जाते हैं





एक्लव्या IAS 2026

Online | Bilingual

Self Study Program With RFR Method

बिना कोचिंग करें तैयारी

Only in ~~Rs. 20,000~~ Rs. 10,000

📞 7678530567/8750711155

📞 8285894079

अब ओजांक ऐप से प्राप्त करें पूर्ण EKLAVYA IAS 2026 PROGRAM कोसी।

(30-06-2025) आज के प्रमुख 🔥 EKLAVYA IAS 2026 PROGRAM 🔥 का परीक्षण प्रयास करें और जानें

परीक्षण लिंक -

<https://ojaankias.akamai.net.in/new-courses/518>

ऐप डाउनलोड लिंक

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.ojaank>

बीएनएसएस के तहत अनिवार्य रिकॉर्डिंग

ई-साक्ष्य द्वारा कवर की गई छह प्रमुख प्रावधान

- तलाशी और जब्ती का रिकॉर्डिंग (धारा 105)
- पुलिस अधिकारी द्वारा तलाशी (धारा 185)
- अपराध स्थल का वीडियोग्राफी (धारा 176)
- बयानों का रिकॉर्डिंग (धारा 173 और 180)
- हिंसक और संपत्ति के निपटान का आदेश (धारा 497)



नए प्रणाली के लाभ



बढ़ी हुई जवाबदेही

आईओ अपने नाम पर जांच करने के लिए अधीनस्थों को अनौपचारिक रूप से नहीं भेज सकते। 'सेल्फी' प्रावधान एक अवरोध के रूप में कार्य करता है और जांच की गुणवत्ता में सुधार करता है।

जवाह की विश्वसनीयता

फोटो और वीडियो में कैद जवाहों अपनी अपराध स्थल की उपस्थिति को नहीं मना सकते, जिससे सबूतों की विश्वसनीयता मजबूत होती है।

वैज्ञानिक एकीकरण

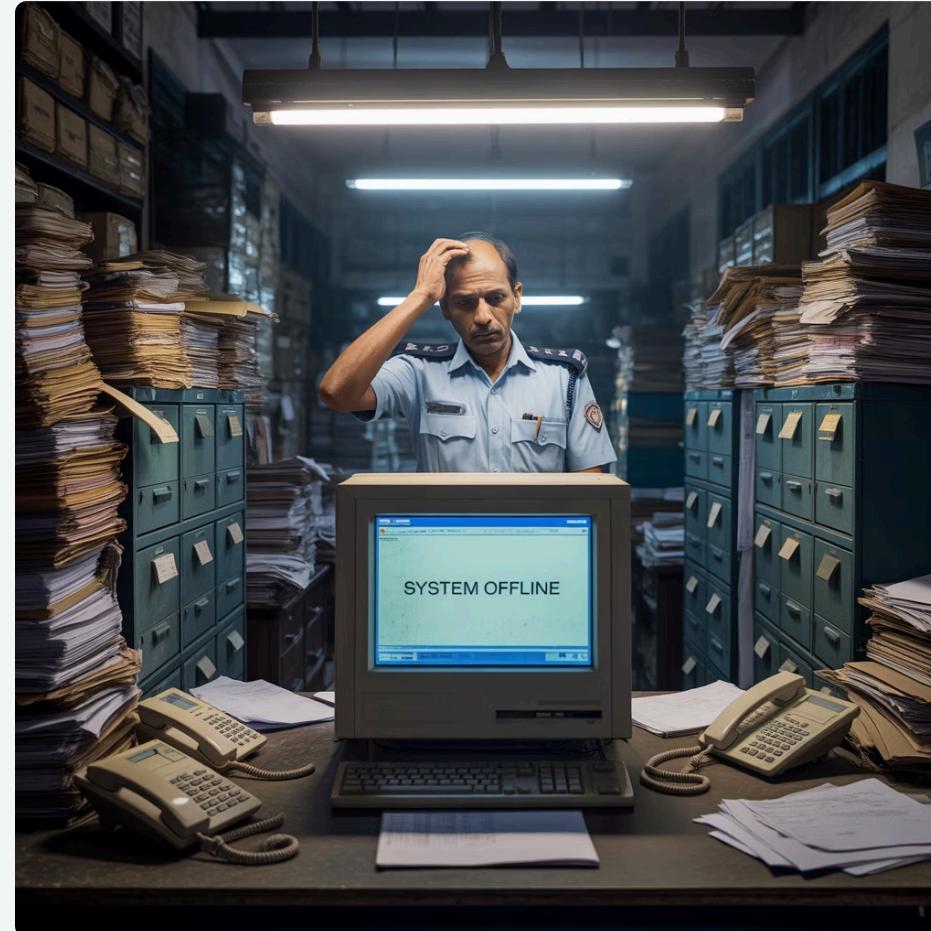
अपराध स्थलों पर एफएसएल विशेषज्ञों की अनिवार्य मुलाकात और संदिग्धों की ट्रैकिंग के लिए पुलिस कुत्तों के उपयोग ने जांच परिणामों में सुधार किया है।

केंद्रीय वैज्ञानिक प्रयोगशाला और राष्ट्रीय वैज्ञानिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना शयपुर, छत्तीसगढ़ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा की गई घोषणा वैज्ञानिक बुनियादी ढांचे को और मजबूत करेगी।

कायन्वियन चुनौतियां

तकनीकी और संसाधन सीमाएं

- अदालतों ने अभी तक ICJS के माध्यम से सबूत तक सीधे पहुंच नहीं बनाई है
- आईओ आधिकारिक सबूत संग्रह के लिए व्यक्तिगत मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं
- e-Sakshya के लिए एंड्रॉयड संस्करण 10+ और न्यूनतम 1GB स्टोरेज की आवश्यकता है
- पर्याप्त उपकरण नहीं हैं - कुछ स्टेशनों में केवल एक टैबलेट है
- सीमित ऑफलाइन क्षमताएं और नेटवर्क निर्भरता





धमाका Offer

Quick NCERT

100 Lectures

IAS | UPPCS | MPPCS | BPSC | SSC

Online | Hindi, English

Price
Rs.998

Offer Valid
Only For 5 Days



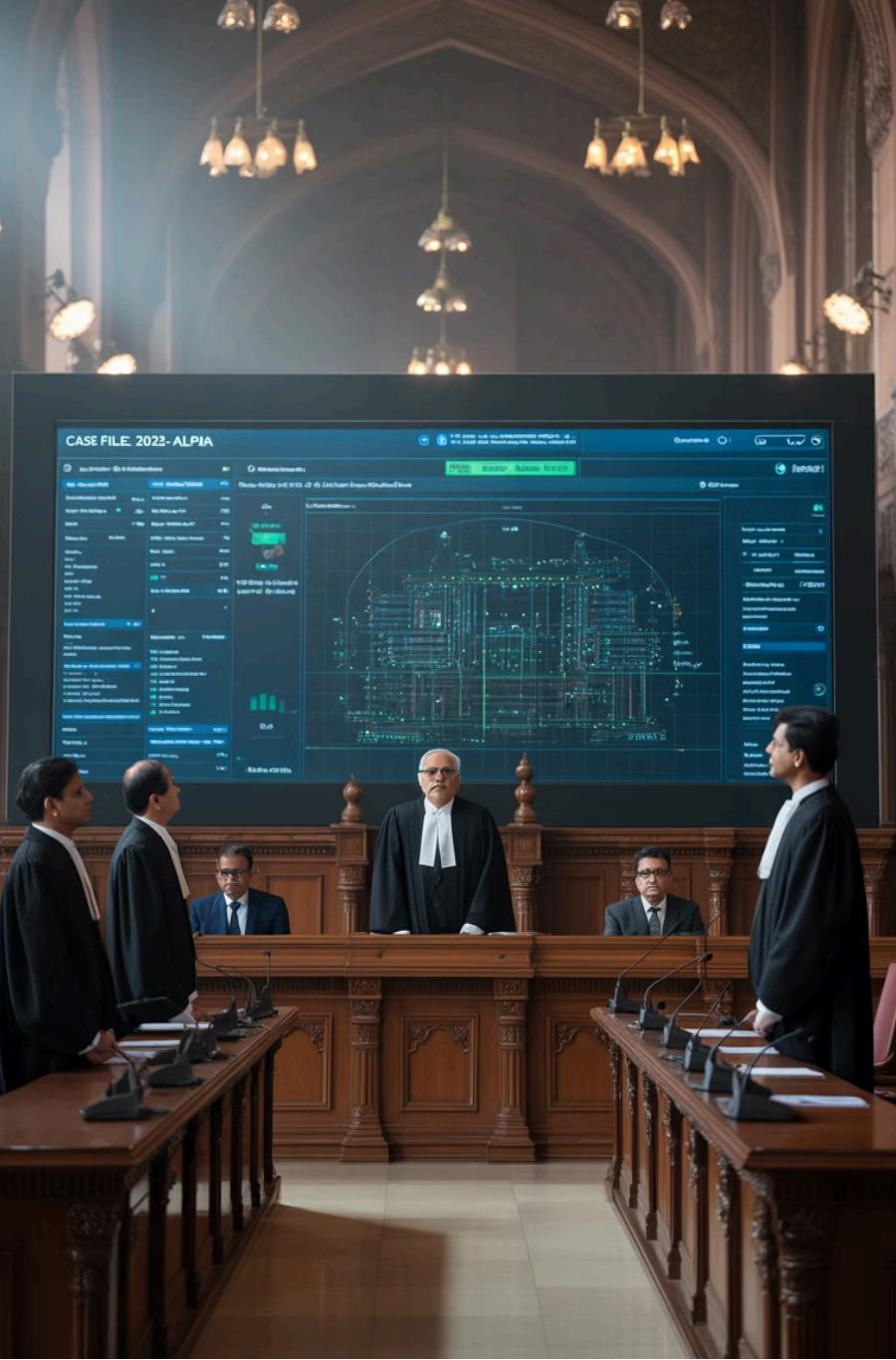
Call Now

8750711100/33/44

अब ओजांक ऐप से पूर्ण QUICK NCERT COURSE कोर्स प्राप्त करें।

Google Play Store से Ojaank ऐप डाउनलोड करें और दिए गए लिंक पर क्लिक करके मुफ्त डेमो क्लास में शामिल हों।

👉 लिंक - <https://ojaankias.akamai.net.in/new-courses/568>



कानूनी और प्रक्रियात्मक बाधाएं

1

अस्पष्ट प्रावधान

छोटी चोरियों (₹5000 से कम मूल्य) को बीएनएस की धारा 303(1) के अस्पष्ट प्रावधान के तहत गैर-संज्ञेय अपराध के रूप में पंजीकृत नहीं किया जाता है, जबकि धारा 112 के तहत छोटे संगठित अपराधों को अस्पष्ट परिभाषाओं के बावजूद पंजीकृत किया जाता है।

2

साइबर अपराध चुनौतियां

ई-साक्ष्य के हैथ मूल्य जनरेशन और प्रमाणीकरण प्रमाणपत्रों के बावजूद, साइबर अपराधों के लिए अदालत में निणयिक राय देने और साक्ष्य देने के लिए विशेषज्ञ विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है।

3

चिकित्सा रिपोर्ट में देरी

बलात्कार पीड़िता की चिकित्सा रिपोर्ट के लिए सात दिनों की सीमा लागू की जा रही है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में देरी अभी भी हूल नहीं हुई है।

आगे का रास्ता

सुधार के लिए सिफारिशें

- जांच अधिकारियों से प्रतिक्रिया एकत्र करें ताकि कायन्वयन की आसानी की समीक्षा की जा सके
- व्यावहारिक समस्याओं और कानूनी बाधाओं को कम करने के लिए आवश्यक परिवर्तन करें
- फॉरेंसिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के लिए अधिक संसाधन आवंटित करें
- सबूत संग्रह के लिए आईओ को आधिकारिक उपकरण प्रदान करें
- प्रत्येक जिले में अलग मोबाइल एफएसएल इकाइयां स्थापित करें
- तेजी से चिकित्सा रिपोर्ट के लिए MedLEaPR प्रणाली लागू करें



Follow Ojaank Sir



IAS with Ojaank Sir



Ojaank_Sir



IAS with Ojaank Sir

Free **PDF Content**

पाने के लिए अभी JOIN करें



8285894079



8285894079